FRACTIOUS : v. Peevish, irritable, ill-tempered.

FRACTURE (subs.) : (1) भङ्गः, *f. of the bones*: अस्थ्नां भङ्गः, Sr. ; (2) भग्नम्, *a f. heals with difficulty*: भग्नं कृच्छ्रेण सिध्यति, Sr.

FRACTURE (v.t.) : भनक्ति (भञ्ज्, c. 7.) : v. To break.

FRAGILE : (1) भङ्गुरः (रा, रं) ; (2) सुभङ्ग (f. ङ्गा) (3) भङ्गशीलः (ला, लं).

FRAGILITY : (1) भङ्गुरता ; (2) भङ्गशीलता ; (3) सुभङ्गता.

FRAGMENT : I. Lit. : (1) खण्ड (mn.), *in f.s*: खण्डशः ; (2) शकल (mn.) (rare). II. Of a work : perh. खण्ड (mn.).

FRAGMENTARY : खण्डितः (ता, तं), "व्यक्तिविवेकलोचनग्रन्थावत्र खण्डितावेव स्त इति न तौ सम्पूर्णौ दृष्टौ", Mahesh.

FRAGRANCE, FRAGRANCY : (1) सौरभम् *or* सौरभ्यम् ; (2) परिमलः ; (3) आमोदः ; (4) सुगन्धिः, सुगन्धः *or* सौगन्ध्यम्.

FRAGRANT : (1) सुगन्धः (न्धा, न्धं) ; (2) सुगन्धि (mfn.) ; (3) सुरभि (mfn.) ; (4) आमोदिन् (f. नी) ; (5) परिमलवत् (f. ती) ; (6) सामोदः (दा, दं) (rare), Ki. viii. 28.

FRAGRANTLY : (1) सौरभेन ; (2) सुगन्धम् ; (3) सामोदम्.

FRAIL (subs.) : पेटिका : v. Basket.

FRAIL (adj.) : I. Fragile : q.v. II. Weak, infirm : दुर्बलः (ला, लं). III. Easily destroyed : (1) क्षणभङ्गुरः (रा, रं) ; (2) विनश्वरः (री, रं). IV. Of infirm virtue : इन्द्रियपरवशः (शा, शं).

FRAILNESS, FRAILTY : I. Fragility : भङ्गुरता. II. Weakness ; दुर्बलता. III. Fickleness : अनित्यता. IV. Fault, foible : q.v.

FRAME (subs.) : I. A fabric : निर्माणम्. II. A case : आधारः, *door -f.*: द्वारस्याधारदारु, M.n. III. Body : q.v. : वपुः, *surely (her) f. was made of golden lotuses*: ध्रुवं वपुः काञ्चनपद्मनिर्मितम्, Ku. IV. Humour : भावः ; oftenn ot expr., *in a happy f. of mind*: निर्वृतमनस् (mfn.). V. System: प्रकारः.

FRAME (v.t.) : I. To form, make : q.v. : निर्मिमीते (मा, c. 3.), *with which the earth has been f.d*: वसुधा येन निर्मिता, Ram. II. To plan : q.v. : कल्पयति (क्ळृप्, c. 10.). III. To provide with a f. : साधारं (f. रां) करोति. IV. To draw up : निबध्नाति (बन्ध्, c. 9.).

FRAMER : रचयितृ (f. त्री), *f. of the world*: विश्वरचयिता ; *f. of a law*: विधिरचयिता (?) ; *f. of the Vedas*: वेदस्य कर्तारः, D.s. : v. Maker.

FRAMEWORK : आधारः : v. Frame (II).

FRANCHISE (subs.) : I. Freedom : मोक्षः. II. In gen. : अधिकारः, *f. of a citizen*: पौराधिकारः ; *"crowning f."*: प्रधानतमाधिकारः ; *monasteries in Spain are f.s for criminals"*: *हिस्पानीयविहारा दुष्टानामधिकाराः.

FRANCHISE (v.) : मोक्षयति (मोक्ष्, c. 10.) ; मोक्षं ददाति (दा, c. 3.).

FRANK (adj.) : (1) सरलः (ला, लं) (=straightforward) ; (2) निष्कपटः (टा, टं), अमायः (या, यं) etc. (=sincere) ; (3) स्फुटभाषिन् (f. णी), स्फुटवादिन् (f. नी), etc. (=open : of men only) ; (4) असंवृतः (ता, तं) (=unreserved).

FRANK (v.) : of letters : राजकार्यतो विना मूल्येन वाहार्थं पत्रोपरि प्रेरकस्य नाम लिखति.

FRANKINCENSE : (1) कुन्दुरुः ; (2) कुन्दुः ; (3) रसालम् (?).

FRANKLY : (1) स्फुटम् (=openly), *makes enmity when talked to f.*: करोति वैरं स्फुटमुच्यमानः, B. xii. 83. ; (2) निष्कपटम् : v. Sincerely; (3) असंवृतम् (=unreservedly).

FRANKNESS : (1) सरलता *or* सारल्यम्; (2) निष्कपटता ; (3) अमायता ; (4) असंवृतिः ; (5) स्फुटभाषित्वम् ; (6) स्फुटवादिता ; for dif. : v. Frank.

FRANTIC : उन्मत्तः (त्ता, त्तं), *f. with rage*: क्रोधोन्मत्तः (त्ता, त्तं) : v. Mad, maddened.

FRANTICLY : उन्मत्तवत् : v. Madly.

FRATERNAL : भ्रात्रीयः (या, यं) : v. Brotherly (adj.).

FRATERNALLY : (1) भ्रातृवत् ; (2) भ्रातृसन्निभम् ; (3) सोदरवत्.

FRATERNITY : I. Brother-hood : भ्रातृत्वम्, *good f.*: सौभ्रात्रम्, R. II. Association : q.v. : समाजः.

FRATERNIZE : भ्रातृवत् मिलितः *or* संहतः (ता, तं) भवति (भू, c. 1.).

FRATRICIDAL : expr. by comp., *f. crime*: भ्रातृवधपातकः.